IndiaFirst
LIFE INSURANCE

Publication: Pradesh Times **Date: Wednesday, 26th November, 2014**

Edition: Bhopal

इंडियाफर्स्ट लाइफइंश्योरेंस ने अपनी पांचवीं वर्षगांठ पर ''हैप्पी इंडिया'' को लॉन्च किया

भोपाल। नवोन्मेशी आइडिया और बदलाव लाने के उत्साह के साथ युवा चेंजमेकर्स की पहचान करने पर लक्षित, इंडियाफर्स्ट लाइफ इंष्योरेंस ने ''हैप्पी इंडिया'' की पेषकष की घोषणा की है। कंपनी की पांचवीं वर्षगांठ के उत्सव के अंतर्गत, हैप्पी इंडिया 11-16 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए षुरू की गई एक सामाजिक बदलाव पहल है। इस पहल की घोषणा कंपनी की पांचवी वर्षगांठ के समारोह के दौरान श्री मोहित रोचनली, मुख्य विपणन अधिकारी, इंडियाफर्स्ट लाइफ इंष्योरेंस द्वारा की गई। इस पहल के लॉन्च पर चर्चा करते हुये श्री मोहित रोचनली ने कहा, ''हमें हैप्पी इंडिया को लॉन्च करके अत्यंत प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है। हमने देष में अपने 5 वर्ष पूरे कर लिये हैं। भारत में बदलाव की लहर है। नई सरकार पहले ही भारत को बेहतर बनाने के लिए अनेक पहलें क्रियान्वित कर रही है। इसमें वित्तीय अंतर्वेषन से लेकर 'मेक इन इंडिया' और 'स्वच्छ भारत अभियान' जैसी पहलें षामिल हैं। यह विद्यार्थियों को इस बदलाव का हिस्सा बनने का अवसर प्रदान करने का बेहतर समय है। हम इस बदलाव की सिर्फ अपेक्षा नहीं करते बल्कि वास्तव में इसे ''निर्मित'' करने के इच्छुक हैं।'' हैप्पी इंडिया का उद्देष्य यंग चेजमेकर्स की तलाष करना और उनके ''आइडियाज फॉर चेंज'' को क्रियान्वित करने में मदद करना है। इसमे 15 षहरों के 500 से अधिक स्कूलों के 20,000 से ज्यादा विद्यार्थियों की प्रतिभागिता देखने को मिलेगी। युवा दिमाग द्वारा उन्हें परेषान किये जाने वाले सामाजिक मुद्दों की पहचान की जायेगी। इनके समाधान के लिए वे कैसे योजना बनायेंगे, उन्हें इस पर अपने आइडिया देने होंगे। बदले में, इंडियाफर्स्ट लाइफ 25 सर्वश्रेष्ठ 'आइडियाज फॉर चेंज' को 50,000 रूपये का अनुदान देगा। ताकि यह युवा उनके द्वारा देखे गये बदलाव के सपने को पूरा कर सकें। इस पहल को बैंक ऑफ बड़ौदा एवं आंध्र बैंक ने अपना समर्थन दिया है। नॉलेज पार्टनर्स केपीएमजी द्वारा प्रमाणन एवं प्रक्रिया सत्यापन पर नजर रखी जायेगी। श्री रोचनली ने कहा, ''हमारा प्रयास भविष्य की पीढ़ी को देष निर्माण की गतिविधि में संलग्न करना है। हमें उम्मीद है कि इंडियाफर्स्ट का यह छोटा सा कदम देष में बड़ा अंतर लेकर आयेगा क्योंकि इसमें सैकड़ों स्कूलों की प्रतिभागिता देखने को मिलेगी।''